



राजस्थान में पैनल गठति

चर्चा में क्यों?

के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पछिली सरकार के तहत कथति [भ्रष्टाचार की जाँच का](#) वादा कयिा है।

मुख्य बदि:

- राजस्थान में पछिले प्रशासन के **नरिणयों और योजनाओं की समीक्षा** करने तथा उन्हें जारी रखा जाना चाहयिा या नहीं, इसकी सफिराशि करने हेतु एक कैबिनेट उप-समति का गठन कयिा गया है।
 - महिलाओं के लयिा मुफ्त मोबाइल फोन, राशन कटि का वतिरण और नए ज़िलों का गठन समीक्षा कयिा जाने वाले मामलों में से हैं।
- सरकार ने पछिली सरकार के दौरान **प्रश्नपत्र लीक मामले की भी जाँच के आदेश** दयिा हैं।

भारत में भ्रष्टाचार से लड़ने के लयिा कानूनी और नयामक ढाँचे

■ कानूनी ढाँचा:

- **भ्रष्टाचार नविरण अधनियिम (Prevention of Corruption Act), 1988** में लोक सेवकों द्वारा कयिा जाने वाले भ्रष्टाचार के साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में शामिल लोगों के लयिा दंड का प्रावधान है।
 - **वर्ष 2018** में इस अधनियिम में संशोधन कयिा गया, जिसके अंतर्गत रशि्वत लेने और रशि्वत देने को अपराध की श्रेणी के तहत रखा गया।
- **धन शोधन नविरण अधनियिम (Prevention of Money Laundering Act), 2002** का उद्देश्य भारत में धन शोधन (Money Laundering) के मामलों को रोकना और आपराधिक आय के उपयोग पर प्रतर्बिध लगाता है।
- **कंपनी अधनियिम (The Companies Act), 2013** कॉर्पोरेट कषेत्र को स्वनयिमन का अवसर देकर इस कषेत्र में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की रोकथाम करता है। 'धोखाधड़ी' शब्द की एक व्यापक परभिषा है, इसे कंपनी अधनियिम के अंतर्गत दंडनीय (Criminal) अपराध माना गया है।
- **भारतीय दंड संहति (The Indian Penal Code- IPC), 1860** के अंतर्गत रशि्वत, धोखाधड़ी, वशिवासघात जैसे अपराध से संबंधति मामलों को कवर कयिा गया है।
- **बेनामी लेन-देन (नषिध) अधनियिम, 1988** उस व्यक्तिके दावे प्रतर्बिधति करता है जिसने किसी अन्य व्यक्तिके नाम पर संपत्ति अर्जति की है।

■ नयामक ढाँचा:

- **लोकपाल तथा लोकायुक्त अधनियिम, 2013** ने संघ (केंद्र) के लयिा लोकपाल और राज्यों के लयिा लोकायुक्त संस्था की व्यवस्था की है।
 - ये "लोकपाल तथा लोकायुक्त" कुछ नशिचति श्रेणी के सरकारी अधिकारयिों के वरिुद्ध लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच करते हैं।
- **केंद्रीय सतर्कता आयोग:** इसका कार्य प्रशासन की नगिरानी करना और भ्रष्टाचार से संबंधति मामलों में कार्यपालिका को सलाह देना एवं मार्गदर्शन करना है।
- **आपराधिक कानून (संशोधन) अधनियिम, 1952:** IPC की धारा 165 के तहत नरिदषिट सज़ा को दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दयिा गया।
- **वर्ष 1964 में संशोधन:** IPC के तहत 'लोक सेवक' तथा 'आपराधिक कदाचार' की परभिषा का वसितार कयिा गया और एक लोक सेवक के लयिा आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने को अपराध बना दयिा गया।

